प्रभारी राजस्व निरीक्षक बडोनी सर्किल

मोबाइल नम्बर

9893069205

संक्षिप्त समाचार

बडोनी खुर्द समय सीमा में C.M. Helpline के निराकरण में बना नम्बर -1

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)- बडोनी खुर्द की CM Helpline -वर्तमान में zero हो गई है तथा बडोनी खुर्द की जनसुनवाई zero हो गई है मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना cm helpline से किसान भाइ?यो के त्वरित काम होते है तथा प्रशानिक क्षेत्र में कसावट आती है बडोनी खुर्द में Cm Helpline Zero हो गई है जोकि सुधार नामांतरण, बटवारा से संबंधित थी तथा सीमामन एवं आर्थिक सहायता के प्रकरण से संबंधित थी पटवारी 24 घन्टे बड़ौनी खुर्द हल्का के निवासियों के सम्पर्क में रहते है तथा हल्का पटवारी जीत सिंह यादव को कई बार जिला स्तर, अनुभाग स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है वर्तमान में बडोनी खुद कृषि संगणना Phase-3 में नम्बर बन चुका है।

बडोनी खुर्द पटवारी

मोबाइल नम्बर

9893069205

कृषि संगणना Phase-III (फेज-3) में बडोनी खुर्द बना नम्बर 1

दतिया (चम्बल नवराष्ट्र)– दतिया में वर्तमान में कृषि संगणना Phase-III का काम कृषि संगणना online Portal पर चल रहा है जिसमें समय सीमा के अन्दर प्रायमरी वर्कर का कार्य पूर्ण कर बडोनी खुर्द नम्बर वन बना। उपरोक्त संगणना में चिन्हित किसान के घर की जानकारी, परिवार के सदस्य की जानकारी, कृषि कार्य में प्रयुक्त होने वाले कृषि यंत्र की जानकारी, खाद बीज की जानकारी, सिचाई के साधन की जानकारी, कृषि लोन की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करनी थी हत्का पटवारी जीत सिंह यादव 24 घंटे किसान भाइयो के सम्पर्क में रहते है तथा जिला स्तर पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है। कृषि

Progress of Data Capture of Phase - III

State : Madhya Pradesh District : DATIA Tehsil : BADONI

Village	Primary Worker			Supervisor		
	Progress by Schedule Numbers			Progress by Schedule Numbers		
	Completed	Pending	Total	Accepted	Rejected	Pending
454552 Sipra	0	16	16	0	0	16
454599 Kanthara	0	14	14	0	0	14
454622 Bargaon	0	17	17	0	0	17
454617 Jighna	0	20	20	0	0	20
454621 Salaiya Pamar	0	17	17	0	0	17
802110 Badoni Khurd	18	0	18	0	0	18
Total for all Villages	18	84	102	0	0	102

सगणना का उद्देश्य है कि भारत सरकार और राज्य सरकार कृषि की पैदावार किस प्रकार बड़ा सकती है जिससे किसान भाइयो की आय में वृद्धि हो सके तथा कृषि को लाभ का धंधा बनाया जा सके।